RJ–03

December – Examination 2022

B.A. (Part II) Examination

RAJASTHANI

मध्यकालीन राजस्थानी गद्य

Paper : RJ-03

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- ओ पेपर तीन खण्डा 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड-'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड-'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड-'स' में मोटा सवालां रा पड़ूत्तर देवणा है। हरेक खण्ड रै आगै दियोडा निर्देशांमुजब आपरा जवाब लिखौ।

खण्ड—अ **7×2=14**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड रा सगळां सवालां रा जवाब देवणा जरूरी है। आप रै जवाब री सीमा अधिकतम **30** सबद है। हरेक सवाल 2 अंक रौ है।

1. (i) 'बालावबोध' सूं आप कांई अरथ करौ ?

   (ii) वंसावली किण नै कैवे ?

(iii) किणी दो वचनिकावां रा नांव लिखौ ?

(iv) राजस्थानी री दो ख्यात रा नांव लिखौ।

(v) चो चावी जैन वचनिकावां रा नांव लिखौ।

(vi) 'महाराजा अजीतसिंह री दवावैत' रे रचनाकारा रौ नांव लिखौ।

(vii) 'पाबूजी री वात' में पाबूजी रौ जुद्ध किणरै साथै हुयौ ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं किणी **चार** सवालां रा जवाब **200** सबदां री सींव में लिखौ। हरेक सवाल 7 अंक रौ है।

2. मध्यकाल रा ऐतिहासिक गद्य 'पट्टावली' अर 'वंसावली' माथै जाणकारी देवण वाली टीप लिखौ।

3. "मध्यकाल रा राजस्थानी गद्य री भासा न्यारी न्यारी बोलियां रै बीच एकरूपता रो प्रमाण छै।" इण कथन नै स्पस्ट सू समझावौ।

4. "मुंहता नैणसी री ख्यात" माथै टिप्पणी लिखौ।

5. 'बांकीदास री ख्यात' में लोक विसवास अर धारमिक मानतावां रा उदाहरण बतावौ।

6. 'मूंदियाड़ री ख्यात' मायं आथोडा जौहर वरणाव रा उदाहरण नै उजागर करौ।

7. 'वचनिका' अर 'दवावैत' बाबत आप कांई जाणौ ? दोनुवा रै अंतर ने स्पष्ट करौ।

8. राजस्थानी प्रेम प्रधान वातां माथै जाणकारी उजागर करौ।

9. अचलदास खींची री वचनिका माथै टिप्पणी लिखौ।

खण्ड—स **2×14=28**

(मोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं कोई **दो** सवालां रा जवाब **500** सबदां री सींव में देवणा है। हरेक सवाल 14 अंक रौ है।

10. मध्यकालीन राजस्थानी गद्य रै उद्‌भव अर विकास पै टीप लिखौ।

11. 'वचनिका' कांई हुवै ? इण रौ अरथ स्पष्ट करता थकां वचनिका साहित्य री प्रमुख रचनावां बाबत आपरी जाणकारी उजागर करौ।

12. राजस्थानी वात साहित्य रौ परिचै देवता थकां दो वातांवा रौ वर्णन करौ।

13. विस्तार साथै टीप करौ :

(अ) टीका साहित्य अर उणरी विसेसतावां

(ब) वंसावली अर पट्टावली